PIONEER PAGE 3

बीएड काउंसिलिंग टली अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होने की संभावना

● राज्य विश्वविद्यालयों में अभी तक स्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने और कई के नतीजे न आने को मुख्य वजह माना जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी समेत प्रदेश के बीएड कॉलेज में दाखिले के लिए 21 सितम्बर से प्रस्तावित काउंसलिंग को फिलहाल लखनऊ विश्वविद्यालय ने टाल दिया है। इसके पीछे कई राज्य विश्वविद्यालयों में अभी तक स्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने और कई के नतीजे न आने को मुख्य वजह माना जा रहा है। माना जा रहा है कि अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से काउंसलिंग के शुरू होने की संभावना है। फिलहाल काउंसलिंग की नई तिथि निर्धारण के मसले पर सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय ने एडवायजरी बोर्ड की बैठक बुलाई है।

बैठक में नई तिथि पर सहमति बनने के बाद अनुमोदन के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाएगा। शासन स्तर पर अनुमोदन मिलने के बाद नई तिथि की घोषणा कर दी जाएगी। पूर्व निर्धारित तिथि के बारे में प्रवेश परीक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अभी कई स्थानों पर अंतिम वर्ष की परीक्षाएं चल रही हैं। इसके बाद रिजल्ट आने हैं। ऐसे में परीक्षा के बीच में काउंसलिंग के शुरू होने से फाइनल इयर के स्टूडेंट्स के समक्ष काउंसलिंग में शामिल होने में अड़चनें आ सकती थीं। वहीं कई मेधावी छात्रों ने सितम्बर में काउंसलिंग के शुरू होने से अच्छे कालेजों से महरूम रहने का भी अंदेशा जताया था। सूत्रों का कहना है कि अभी वर्तमान लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षाएं खुद 30 सितम्बर तक प्रस्तावित है। ऐसे में विवि की कोशिश है कि काउंसलिंग शुरू करने से पूर्व अपने यहां के फाइनल ईयर स्टूडेंट्स के भी रिजल्ट घोषित हो जाय।

> 21 सितम्बर से प्रस्तावित काउंसिलिंग को आगे के लिए टाल दिया गया है। ऐसे में काउंसिलिंग अब अक्टूबर में ही होगी। नई तिथि को लेकर सोमवार को एडवायजरी बोर्ड की बैठक बुलाई गई है।
>
> **प्रो. अमिता बाजपेयी**
> स्टेट नोडल आफिसर
> बीएड प्रवेश परीक्षा 2020

जिससे स्टूडेंट्स काउंसलिंग में शामिल हो सकें। कल की प्रस्तावित एडवायजरी बोर्ड की बैठक में विवि के परीक्षा नियंत्रक भी शामिल होंगे। ताकि नई तिथि के घोषित करने से पूर्व विवि समय पर रिजल्ट को लेकर अपनी आशंका को दूर कर सकें। बता दें कि इस बार परीक्षा के लिए कुल 4,31,904 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए थे। इस प्रवेश परीक्षा परीक्षा में 3,57,701 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। 74,203 अभ्यर्थी दोनों पालियों की परीक्षा में अनुपस्थित रहे थे। जबकि कुल पांच अभ्यर्थी अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पाये गयेए जिनका परीक्षाफल निरस्त कर दिया गया है।

HINDUSTAN PAGE 6

विधि संकाय का यूट्यूब चैनल सबसे ज्यादा लोकप्रिय

एलयू

लखनऊ | आशीष त्रिपाठी

लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय का यूट्यूब चैनल छात्रों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय विभागीय चैनल बन गया है।

इस चैनल पर अब तक न केवल किसी भी विभागीय चैनल से ज्यादा वीडियो लेक्चर अपलोड हुए हैं बल्कि, इसे सबसे ज्यादा देखा और पसंद किया गया है। संकाय के यूट्यूब चैनल के आंकड़े यह कहानी बयां कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रविवार शाम पांच बजे तक चैनल के आंकड़ों पर भरोसा करें तो करीब 103 वीडियो लेक्चर अपलोड किए गए। वहीं, करीब 1280 से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं और 26 हजार से ज्यादा बार इसे देखा गया।

बता दें कि कोरोना संक्रमण के कारण मार्च में शुरू हुए लॉकडाउन के दौरान विभागीय छात्रों से सम्पर्क स्थापित करने और ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य इन यूट्यूब चैनल की शुरुआत की गई थी।

इस दौरान लगभग सभी विभागों ने अपने यूट्यूब चैनल शुरू किए। शुरुआत में जोर शोर से काम भी शुरू हुआ। लेकिन समय के साथ कई चैनल अब निष्क्रिय हो गए हैं। जबकि विधि संकाय का यूट्यूब चैनल लगातार सक्रिय रहा। यही कारण है कि यह चैनल लविवि के छात्र-छात्राओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गया।

दूसरे नंबर पर भौतिक विज्ञान विभाग

इस मामले में दूसरे नम्बर पर विवि का भौतिक विज्ञान विभाग है। रविवार शाम पांच बजे तक करीब 101 वीडियो चैनल पर अपलोड थे। इस चैनल से जुड़ने वालों की संख्या करीब 734 है और करीब 14,582 बार वीडियो देखे गए।

दर्शनशास्त्र कला संकाय में सबसे सक्रिय

कला संकाय में दर्शनशास्त्र विभाग अपने छात्रों को वीडियो लेक्चर उपलब्ध कराने में सबसे आगे है। पिछले एक महीने में करीब 64 वीडियो अपलोड किए गए हैं। जो किसी भी अन्य विभाग से ज्यादा हैं।

अन्य विभागों का हाल

लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि यूट्यूब चैनल के माध्यम से छात्रों को विभाग से सीधे जोड़ने का प्रयास किया गया है। कई विभागों ने इस दिशा में काबिलेतारीफ काम किया है। इससे छात्रों को मदद भी मिली है। अन्य को भी इसने सीखने की जरूरत है।

बीएड में प्रवेश के लिए काउंसलिंग निरस्त

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

राजधानी समेत प्रदेश के बीएड कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रस्तावित काउंसलिंग को फिलहाल टाल दिया गया है। अब यह काउंसलिंग आगामी अक्तूबर माह में आयोजित की जाएगी।

प्रदेश के कई राज्य विश्वविद्यालय में अभी तक स्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने और कई के नतीजे न आने के कारण यह फैसला लिया है।

प्रदेश के बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए 4,31,904 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। बीते 9 अगस्त को हुई संयुक्त प्रवेश परीक्षा में 3,56,946 अभ्यर्थी शामिल हुए। पांच सितंबर को इनके नतीजे भी जारी कर दिए गए। अब ऑनलाइन ऑफ कैम्पस काउंसलिंग कराई जानी है।

बीएड की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि पहले यह काउंसलिंग 21 सितम्बर से प्रस्तावित थी। लेकिन कई विश्वविद्यालयों की अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने के कारण इसे टालने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि शासन ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। नई तिथियों के संबंध में प्रस्ताव मांगा गया है। इसको लेकर सोमवार को बैठक हुई।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

अक्तूबर में होगी बीएड प्रवेश की काउंसलिंग

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के बीएड कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रस्तावित काउंसलिंग को फिलहाल टाल दिया गया है। अब यह काउंसलिंग अक्तूबर में आयोजित की जाएगी।

प्रदेश के कई राज्य विवि में अभी तक स्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने और कई के नतीजे न आने के कारण यह फैसला लिया गया है। प्रदेश के बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए 4,31,904 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। बीते 9 अगस्त को हुई संयुक्त प्रवेश परीक्षा में 3,56,946 अभ्यर्थी शामिल हुए। पांच सितंबर को इनके नतीजे भी जारी कर दिए गए। अब ऑनलाइन ऑफ कैम्पस काउंसलिंग कराई जानी है। बीएड की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि पहले यह काउंसलिंग 21 सितम्बर से प्रस्तावित थी। लेकिन कई विश्वविद्यालयों की अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने के कारण इसे टालने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि शासन ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। नई तिथियों के संबंध में प्रस्ताव मांगा गया है। इसको लेकर सोमवार को सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। बैठक में नई तिथियों पर फैसला लिया जाएगा।

AMRIT VICHAR PAGE 3

अक्तूबर में होगी बीएड प्रवेश की काउंसलिंग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के बीएड कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रस्तावित काउंसलिंग को फिलहाल टाल दिया गया है। अब यह काउंसलिंग अक्तूबर में आयोजित की जाएगी। प्रदेश के कई राज्य विश्वविद्यालय में अभी तक स्नातक अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने और कई के नतीजे न आने के कारण यह फैसला लिया गया है। प्रदेश के बीएड कॉलेजों में दाखिले के लिए 4,31,904 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। बीते 9 अगस्त को हुई संयुक्त प्रवेश परीक्षा में 3,56,946 अभ्यर्थी शामिल हुए। पांच सितंबर को इनके नतीजे भी जारी कर दिए गए। अब ऑनलाइन ऑफ कैम्पस काउंसलिंग कराई जानी है। बीएड की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि पहले यह काउंसलिंग 21 सितम्बर से प्रस्तावित थी। लेकिन कई विश्वविद्यालयों की अन्तिम वर्ष की परीक्षाएं न होने के कारण इसे टालने का फैसला लिया गया है।